जयशंकर प्रसाद : जीवन, काव्य-दृष्टि, रचनाएँ, सारांश, प्रश्न-उत्तर (कक्षा 10 हिंदी | NCERT)

Meta Description (150–160 characters)

जयशंकर प्रसाद कक्षा 10 हिंदी NCERT: जीवन परिचय, काव्य-विशेषताएँ, विस्तृत सारांश, महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर, MCQs और परीक्षा-उपयोगी नोट्स।

अध्याय का परिचय (Introduction of the Chapter)

जयशंकर प्रसाद हिंदी साहित्य के छायावाद युग के स्तंभ माने जाते हैं। वे कवि, नाटककार, कथाकार और निबंधकार—चारों रूपों में समान रूप से प्रतिष्ठित हैं। जयशंकर प्रसाद के साहित्य में भारतीय दर्शन, मानवतावाद, सौंदर्य-बोध और राष्ट्र-चेतना का समन्वय दिखाई देता है। कक्षा 10 हिंदी (NCERT) में जयशंकर प्रसाद अध्याय विद्यार्थियों को छायावादी काव्य की आत्मा, भावनात्मक गहराई और प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति से परिचित कराता है।
यह अध्याय परीक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे जीवन-परिचय, काव्य-विशेषताएँ, भावार्थ, रस-अलंकार, प्रश्न-उत्तर और **MCQs** पूछे जाते हैं। जयशंकर प्रसाद अध्याय विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, आत्मचिंतन और मानवीय मूल्यों की समझ विकसित करता है।

संक्षिप्त नोट्स (Short Notes)

- जयशंकर प्रसाद: छायावाद के प्रमुख स्तंभ
- जन्म: 1889, वाराणसी | निधन: 1937
- प्रमुख काव्य-कृतियाँ: आँसू, झरना, लहर, कामायनी
- नाटक: स्कंदगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, चंद्रगुप्त
- काव्य की विशेषताएँ: भावात्मकता, प्रतीकात्मकता, दार्शनिकता
- प्रमुख रस: करुण, श्रृंगार, शांत
- भाषा: संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली
- विचारधारा: मानवतावाद, आत्मानुभूति, भारतीय संस्कृति
- शैली: संगीतात्मक, कोमल, चित्रात्मक
- परीक्षा-महत्व: उच्च

विस्तृत सारांश (Detailed Summary – 900–1200 शब्द)

जयशंकर प्रसाद का साहित्य हिंदी छायावाद का शिखर माना जाता है। छायावाद वह काव्यधारा है जिसमें कवि की आत्मानुभूति, भावुकता, प्रकृति-चित्रण, प्रतीक और रहस्यात्मकता प्रमुख होती है। जयशंकर प्रसाद ने इस धारा को गहराई और व्यापकता प्रदान की। उनके काव्य में व्यक्ति का अंतर्मन, उसकी पीड़ा, उसकी आकांक्षाएँ और उसकी आध्यात्मिक खोज स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

जयशंकर प्रसाद के काव्य की मूल प्रेरणा भारतीय दर्शन और संस्कृति है। वे पश्चिमी प्रभावों से अछूते नहीं थे, परंतु उनकी दृष्टि मूलतः भारतीय रही। कामायनी जैसे महाकाव्य में उन्होंने मानव सभ्यता के विकास, मनोविज्ञान और दर्शन का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। कक्षा 10 हिंदी (NCERT) में जयशंकर प्रसाद अध्याय विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि साहित्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जीवन की गहरी सच्चाइयों की खोज भी है।

जयशंकर प्रसाद के काव्य में करुणा एक प्रमुख भाव है। आँसू काव्य-संग्रह में मानव पीड़ा और वेदना का अत्यंत मार्मिक चित्रण मिलता है। कवि व्यक्तिगत दुख को सार्वभौमिक बना देता है, जिससे पाठक स्वयं को उससे जोड़ पाता है। यही छायावाद की शक्ति है—व्यक्ति से समष्टि की ओर यात्रा।

प्रकृति-चित्रण जयशंकर प्रसाद के काव्य का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष है। उनके यहाँ प्रकृति केवल दृश्य नहीं, बल्कि मानवीय भावनाओं की सहचरी है। बादल, चाँद, पुष्प, पवन—सब कवि की भावनाओं के प्रतीक बन जाते हैं। यह प्रतीकात्मकता काव्य को गहराई और रहस्य प्रदान करती है।

भाषा-शैली की दृष्टि से जयशंकर प्रसाद संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली का प्रयोग करते हैं। उनकी भाषा में गंभीरता, माधुर्य और संगीतात्मकता है। यद्यपि कुछ स्थानों पर भाषा कठिन प्रतीत होती है, फिर भी भावों की तीव्रता उसे प्रभावशाली बनाती है। कक्षा 10 हिंदी के विद्यार्थियों के लिए यह अध्याय भाषा-बोध और भाव-समझ दोनों दृष्टियों से उपयोगी है।

जयशंकर प्रसाद का मानवतावाद उनके काव्य का केंद्रीय तत्व है। वे मानव को केंद्र में रखते हैं—उसकी स्वतंत्रता, गरिमा और आत्मसम्मान को महत्व देते हैं। उनके नाटकों में भी यह दृष्टि स्पष्ट दिखाई देती है। ध्रुवस्वामिनी में नारी-स्वतंत्रता और स्कंदगुप्त में राष्ट्र-चेतना का प्रभावशाली चित्रण मिलता है।

छायावाद की विशेषताओं—आत्माभिव्यक्ति, रहस्यात्मकता, सौंदर्य-बोध—का सर्वोत्तम रूप जयशंकर प्रसाद के साहित्य में मिलता है। वे भावों को प्रत्यक्ष न कहकर प्रतीकों और बिंबों के माध्यम से व्यक्त करते हैं। इससे कविता पाठक को सोचने और महसूस करने के लिए प्रेरित करती है।

कक्षा 10 हिंदी (NCERT) में जयशंकर प्रसाद अध्याय विद्यार्थियों को साहित्यिक विश्लेषण, भावार्थ-लेखन और आलोचनात्मक सोच की क्षमता विकसित करने में सहायक है। परीक्षा में इससे लघु-दीर्घ प्रश्न, भाव स्पष्ट कीजिए, कवि-परिचय और **MCQs** पूछे जाते हैं। अतः यह अध्याय अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संक्षेप में, जयशंकर प्रसाद का साहित्य मानव जीवन की गहराइयों, उसकी पीड़ा और उसकी आशाओं का सजीव दस्तावेज है। यह अध्याय विद्यार्थियों को संवेदनशील, विचारशील और साहित्य-रसिक बनाता है।

फ्लोचार्ट / माइंड मैप (Text-based)

जयशंकर प्रसाद
→ छायावाद
→ आत्मानुभूति

→ करुणा
→ प्रकृति-चित्रण
→ प्रतीकात्मकता
→ भारतीय दर्शन
→ मानवतावाद
→ काव्य + नाटक

महत्वपूर्ण शब्दावली (Important Keywords with Meanings)

- छायावाद – आत्मानुभूति पर आधारित काव्यधारा
- आत्मानुभूति – कवि की आंतरिक अनुभूति
- प्रतीक – भावों को संकेतों में व्यक्त करना
- मानवतावाद – मानव की गरिमा पर विश्वास
- करुणा – दुःख के प्रति संवेदना
- संस्कृतनिष्ठ – संस्कृत से प्रभावित भाषा

महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर (Important Questions & Answers)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न **1:** जयशंकर प्रसाद किस काव्यधारा के कवि हैं?
उत्तर: जयशंकर प्रसाद छायावाद काव्यधारा के प्रमुख कवि हैं।

प्रश्न **2:** जयशंकर प्रसाद की दो प्रमुख कृतियाँ लिखिए।
उत्तर: कामायनी और आँसू।

प्रश्न **3:** जयशंकर प्रसाद की भाषा की विशेषता बताइए।
उत्तर: उनकी भाषा संस्कृतनिष्ठ, गंभीर और संगीतात्मक है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न: जयशंकर प्रसाद के काव्य की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
उत्तर:
जयशंकर प्रसाद के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ आत्मानुभूति, करुणा, प्रतीकात्मकता, प्रकृति-चित्रण और मानवतावाद हैं। वे भावों को गहराई और सौंदर्य के साथ प्रस्तुत करते हैं। उनका काव्य व्यक्ति के अंतर्मन की यात्रा है, जो उसे आत्मचिंतन की ओर ले जाता है।

---

20 MCQs with Answers

1. जयशंकर प्रसाद किस युग के कवि हैं?
   A. भक्तिकाल
   B. रीतिकाल
   C. छायावाद ✅
   D. आधुनिक
2. 'कामायनी' किस विधा की रचना है?
   A. खंडकाव्य
   B. महाकाव्य ✅
   C. नाटक
   D. कहानी
3. जयशंकर प्रसाद की भाषा है—
   A. अवधी
   B. ब्रज
   C. संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली ✅
   D. उर्दू
4. 'आँसू' किस भाव पर आधारित है?
   A. वीर
   B. हास्य
   C. करुण ✅
   D. शांत
5. जयशंकर प्रसाद के साहित्य में प्रमुख तत्व है—
   A. राजनीति
   B. आत्मानुभूति ✅
   C. यथार्थवाद
   D. व्यंग्य
6. छायावाद की एक विशेषता क्या है?
   A. सामाजिक यथार्थ
   B. आत्माभिव्यक्ति ✅
   C. हास्य
   D. नीति
7. जयशंकर प्रसाद किस नगर से संबंधित हैं?
   A. प्रयाग
   B. लखनऊ
   C. वाराणसी ✅
   D. दिल्ली
8. 'कामायनी' का विषय है—
   A. इतिहास
   B. मानव मन और सभ्यता ✅
   C. राजनीति
   D. युद्ध
9. जयशंकर प्रसाद की शैली कैसी है?
   A. सरल
   B. प्रतीकात्मक और भावनात्मक ✅
   C. व्यंग्यात्मक
   D. नाटकीय
10. जयशंकर प्रसाद किस विधा में प्रसिद्ध नहीं हैं?
    A. कविता
    B. नाटक

C. कहानी
D. यात्रा-वृत्तांत ✅

11. जयशंकर प्रसाद के नाटक किस विषय पर आधारित हैं?
A. कल्पना
B. इतिहास और संस्कृति ✅
C. विज्ञान
D. हास्य

12. 'ध्रुवस्वामिनी' किसका उदाहरण है?
A. काव्य
B. नाटक ✅
C. कहानी
D. निबंध

13. जयशंकर प्रसाद का साहित्य किस भावना से जुड़ा है?
A. मानवतावाद ✅
B. भौतिकवाद
C. यथार्थवाद
D. साम्यवाद

14. छायावाद में प्रकृति का स्थान क्या है?
A. पृष्ठभूमि
B. सहचरी और प्रतीक ✅
C. विरोधी
D. गौण

15. जयशंकर प्रसाद के काव्य में प्रमुख रस है—
A. वीर
B. करुण और श्रृंगार ✅
C. हास्य
D. रौद्र

16. जयशंकर प्रसाद के अनुसार कविता क्या है?
A. मनोरंजन
B. आत्मा की अभिव्यक्ति ✅
C. प्रचार
D. शिक्षा

17. 'लहर' किसकी रचना है?
A. सूर्यकांत त्रिपाठी
B. जयशंकर प्रसाद ✅
C. निराला
D. पंत

18. जयशंकर प्रसाद का निधन कब हुआ?
A. 1925
B. 1930
C. 1937 ✅
D. 1940

19. जयशंकर प्रसाद के साहित्य की प्रेरणा क्या है?
A. पश्चिमी दर्शन
B. भारतीय संस्कृति और दर्शन ✅
C. विज्ञान
D. राजनीति

20. जयशंकर प्रसाद अध्याय क्यों महत्वपूर्ण है?
    A. भाषा सीखने हेतु
    B. भावात्मक और साहित्यिक विकास हेतु ✅
    C. इतिहास हेतु
    D. मनोरंजन हेतु

परीक्षा टिप्स / मूल्य-आधारित प्रश्न

- उत्तर में छायावाद और आत्मानुभूति शब्दों का प्रयोग करें
- कृतियों के नाम अवश्य लिखें
- भाषा संयमित और बिंदुवार रखें
- भावार्थ में प्रतीक और भाव स्पष्ट करें

निष्कर्ष (Conclusion – SEO Friendly)

जयशंकर प्रसाद कक्षा **10** हिंदी **(NCERT)** का यह अध्याय छायावाद की आत्मा को समझने की कुंजी है। उनका साहित्य भावनात्मक गहराई, मानवतावाद और भारतीय संस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण है। परीक्षा और साहित्यिक दृष्टि—दोनों से यह अध्याय अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यदि आप चाहें तो मैं

- इसी अध्याय का **80** अंकों का सैंपल पेपर,
- पूरा समाधान,
- या **PDF / WordPress** पोस्ट फॉर्मैट
  भी तुरंत तैयार कर सकता हूँ।